Reorganisation Scheme which would have entailed a common cadre with the rest of the Secretariat, as the work in the Ministry of Railways is technical and specialised, requiring familiarity with technical Railway working, practically in all the Branches.

Radio Telephone Links

*2425. **Shri R. P. Garg:** Will the Minister of **Communications** be pleased to state the total expenditure involved in the establishment of the various direct radio-telephone links between India and the foreign countries?

The Deputy Minister of Communications (Shri Raj Bahadur): Radio-telephone and Radio-telegraph links, both direct and indirect, are worked with common equipment and staff. It is, therefore, not possible to indicate the amount of expenditure incurred on establishment of direct Radio-telephone links alone.

यात्रियों को सुविधायें

*२४२८. **श्री विभूति मिश्र :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि अलग अलग प्रत्येक दर्जे के यात्रियों को सुविधायें देने में १९५४-५५ में कितना व्यय हुआ ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री के सभासचिव (श्री शाहनवाज खां): अलग-अलग दर्जे पर जो खर्च हुआ उसका ब्यौरा नहीं मिल सका है। अप्रैल १९५४ से फरवरी १९५५ तक लगभग १.५२ करोड़ रुपये खर्च हुए। अलग अलग कामों पर जो खर्च हुआ उसका विवरण सभा पटल पर रखा जाता है। [**देखिये परिशिष्ट ११, अनुबन्ध संख्या २२**]। मार्च १९५५ का हिसाब लगभग जुलाई १९५५ में तैयार होगा।

Signalling Equipment

*2437. **Shri R. P. Garg:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that railway signalling equipment is being manufactured in India; and

(b) if so, when this indigenous equipment will be installed on the Indian Railways?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan): (a) Yes, partly.

(b) Indigenously-manufactured Signalling Equipment is already in use on the Indian Railways.

उर्वरक

*२४४१. **श्री विभूति मिश्र:** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार खाद्यान्नों के मूल्यों में गिरावट के अनुपात में उर्वरकों के मूल्य को घटाने का विचार करती है, और

(ख) यदि हां, तो कब ?

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख): (क) और (ख). यह प्रश्न सक्रिय रूप से सरकार के विचाराधीन है।

रेलों में चोरी

९०९. **श्री रघुनाथ सिंह :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनवरी, १९५४ से फरवरी, १९५५ के बीच मालगाड़ी के डिब्बों में से चोरी करते हुए कितने व्यक्ति पकड़े गए; और

(ख) उक्त कालावधि में चलती मालगाड़ी में से चोरी करते समय कितने व्यक्ति गोली से मार दिए गए या घायल कर दिए गए?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशन) : (क) १९७४।

(ख) कुल पांच आदमी गोली से मारे गए और पांच घायल हुए।

Swasti Samiti

910. **Shri Dasaratha Deb:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to refer to the reply given to starred question No. 382 on the 1st September, 1954 and state the steps